



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]
No. 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 14, 1999 (श्रावण 23, 1921)
NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 14, 1999 (SRAVANA 23, 1921)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनायें	पृष्ठ 893	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राष्ट्रपति के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) ।	पृष्ठ 5
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनायें	599	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रसांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनायें	5	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों नियंत्रक और महानिष्ठा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और प्रयोगस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें	745
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनायें	1023	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और विचारनों से संबंधित अधिसूचनायें और नोटिस	709
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के प्रयोग प्रस्ताव द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें	—
भाग II—खण्ड 1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनायें जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं ।	263
भाग II—खण्ड 2—विविध तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के जिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किये गये विज्ञापन और नोटिस	581
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियाँ आदि भी शामिल हैं) ।	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में कम और मूल के अधिकारों को बनाए रखा सतृक	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनायें	*		

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—Section 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	693	PART II—Section 3—Sub Sec. (iii) —Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 of Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—Section 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	599	PART II—Section 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—Section 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	5	PART III—Section 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	745
PART I—Section 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1023	PART III—Section 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	709
PART II—Section 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—Section 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—Section 1A—Authoritative texts in Hindi Languages of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—Section 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2635
PART II—Section 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by private Individuals and private Bodies	581
PART II—Section 3—Sub-section (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों के संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1999

सं. 10/1/99-के. से.-2—कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 1999 में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड-ग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड-ग, भारतीय विदेश सेवा (ब) के आशुलिपिक के संवर्ग के ग्रैंड-ग, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड-ग, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ग" भारतीय चुनाव आयोग श्रेणी "ग" और अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड "ग" के लिए प्रवृत्त सूचियों में सम्मिलित करने के लिए सीमित विभागीय प्रतिस्पर्धिता परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. चयन सूची में शामिल करने के लिए अद्यतन किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का निर्धारण बाद में किया जाएगा जैसा कि आयोग द्वारा जारी की जाने वाली विज्ञापित के पैर-2 में बताया गया है अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में सम्मिलित अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण मांगकर्ता संवर्ग/कार्यालयों द्वारा आयोग को भेजी गई रिक्त को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

अनुसूचित जाति/जनजाति का अर्थ है ऐसी कोई जाति/जनजाति जिन्हें संविधान के अनुच्छेद के तहत समय-समय पर जारी आदेशों में विनिर्दिष्ट किया गया है।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित पद्धति के अनुसार ही ली जाएगी।

किसी तारीख को और किन-किन स्थानों पर परीक्षा की जाएगी, इसका निर्धारण आयोग करेगा।

4. पात्रता की शर्तें :—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ब) के आशुलिपिकों के संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ब" या श्रेणी-3 भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा का नियमित रूप में नियुक्त कोई भी ऐसा स्थायी अथवा अस्थायी

अधिकारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो, परीक्षा में बैठने और अपने सेवा के रिक्तियों के लिए प्रातःयोग्यता करने का पात्र होगा अर्थात् केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड "ब" के आशुलिपिक उस सेवा के ग्रैंड-ग की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे, केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड-ब के आशुलिपिक उस सेवा के ग्रैंड-ग की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे और भारतीय विदेश सेवा (ब) के ग्रैंड-3 के आशुलिपिक भारतीय विदेश सेवा (ग) के (आशुलिपिकों) के संवर्ग के ग्रैंड-1 की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे, भारतीय चुनाव आयोग के आशुलिपिक उस सेवा के ग्रैंड-ग की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड-ब के आशुलिपिक सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड-ग और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ब" के आशुलिपिक, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ग" की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे और अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ब" के आशुलिपिक अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के श्रेणी "ग" की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे।

(क) सेवा की अवधि-सेवा के ग्रैंड-ब या ग्रैंड-3 में निर्णायक तारीख अर्थात् 1-8-1999 की उससे कम से कम 3 वर्ष की अनुभूति और निरन्तर सेवा होनी चाहिए।

टिप्पणी : ग्रैंड-ब के वे अधिकारी जो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग आद्य परों पर प्रातःयोग्यता पर हैं, और जिनका केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ब) के आशुलिपिकों के संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रैंड-ब या ग्रैंड-3 भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा में भारणाधिकारी है, यदि अन्यथा पात्र हों तो इस परीक्षा में बैठ सकते हैं।

परन्तु यदि वह केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ब"/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के श्रेणी "ब"/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ग"/भारतीय विदेश सेवा (ब) के आशुलिपिक संवर्ग की श्रेणी-3/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "ब"/अनु-

संधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ब'/भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ब' में प्रतियोगात्मक परीक्षा जिसमें सीमित विभागीय प्रतियोगात्मक परीक्षा भी शामिल है, के परिणाम पर नियुक्त किया जाता है। तो ऐसी परीक्षा के परिणाम निर्णायक तारीख से कम से कम तीन वर्ष पहले प्रेषित हुए होने चाहिए और उस श्रेणी में उम्मीदवारों को कम से कम दो वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा देने की चाहिए।

(क) आयु—उसकी आयु 1-8-1999 को 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए, अर्थात् वह 2-8-1949 से पहले पैदा नहीं हुआ हो।

(ग) ऊपर लिखित उगरी आयु सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी—

(1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है, तो अधिकतम अधिक 5 वर्ष तक।

(2) किसी दूसरे देश से संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रव-प्रसन्न हालातों में फौजी कार्यवाहियों को करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षक सेवा कार्यों को मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आठ वर्ष)।

(3) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बने के कार्यों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आठ वर्ष)।

उपयुक्त बातों के अलावा ऊपर निर्धारित आयु सीमा में और किसी हालत में छूट नहीं दी जायेगी।

(घ) आशुलिपिक परीक्षा—अब तक कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ब) के आशुलिपिकों के संघर्ष/सहाय्य सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-3 में स्थायीकरण भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा या बने रहने के प्रयोजन के लिए आयोग की आशुलिपिक परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट न मिल गई हो, उनके परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को या उससे पूर्व वह परीक्षा उत्तीर्ण कर ली होनी चाहिए।

टिप्पणी—ग्रेड-2 या ग्रेड-3 के जो आशुलिपिक सहाय्य अधिकारी के अनुमोदन के संघर्ष/बाह्य-पर्वों पर प्रति नियुक्ति पर हैं और जिनका इस सेवा के ग्रेड-2 और ग्रेड-3 में लियन है, यदि अन्यथा पात्र हो वे परीक्षा में सम्मिलित किए जाने को पात्र होंगे तथा यह बात ग्रेड-2/ग्रेड-3 में उन आशुलिपिकों पर लागू नहीं होती जो स्थानान्तरित रूप में संघर्ष/बाह्य पर्वों पर या अन्य सेवा में नियुक्त किए गए हैं और केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक

सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ब) के आशुलिपिक के संघर्ष/सहाय्य सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-2/ग्रेड-3 भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा ग्रेड-2 में लियन न रहेंगे।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार के पास आयोग का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एंजलिमेंट) नहीं होता है तो उसे परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा अपराधी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) आली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या छूठे बक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (8) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (9) असंगत सामग्री लिखना जिसमें पांडुलिपि में अश्लील भाषा या अवर्णित सामग्री भी शामिल है, या
- (10) आयोग द्वारा परीक्षा के संचालन के लिए नियुक्त स्टाफ को तंग किया है अथवा सार्वजनिक चोट पहुंचाई है, अथवा
- (11) अपने प्रवेश पत्र के साथ जारी किए गए किसी अनुदेश का उल्लंघन किया है, अथवा
- (12) उसके द्वारा परीक्षा भवन से उत्तर-पत्रिका/आशुलिपि टिप्पणी टंकण आवास का ले जाया जाना।
- (13) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कर्तव्य के द्वारा आयोग को अवग्राहित करने का प्रयत्न किया है, तो उस पर अपराधिक अभिযোগ (क्रिमिनल

प्राप्तिक्रम) बनाया जा सकता है, जो उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए ।

(2) केन्द्रीय सरकार के अधीन किसी भी नौकरी से वंचित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है ।

8. परीक्षा के पश्चात् प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त अंकों के आधार पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता क्रम से छः अलग सूचियाँ बनाई जाएंगी और उन्नीसवें क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों की संकुलता प्राप्त संसद्देश, उनके नाम अपीक्षा संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिक के संवर्ग और संसद्देश सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए सिफारिश करेगा ।

टिप्पणी :—उम्मीदवार को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक परीक्षा (व्हाली-फाईंग एग्जामिनेशन) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग के ग्रेड-2 संसद्देश सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग, भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा की प्रवर्णन सूची में जितने उम्मीदवारों के नाम शामिल किए जाएं इसका निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह सक्षम है । इस लिए कोई भी उम्मीदवार अधिकार के तौर पर इस बात का दावा नहीं कर सकेगा कि उसके द्वारा परीक्षा में दिये गये निष्पादन के आधार पर उसका नाम प्रवर्णन सूची में शामिल किया ही जाए ।

9. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किसी रूप में तथा किस प्रकार से दी जाये, उनका निर्णय आयोग अपने

विवेकानुसार करेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा ।

10. परीक्षा में सफलता से चयन का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक कि संवर्ग प्राधिकारी ऐसी छानबीन के बाद जो आवश्यक समझी जाए, संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा के अपने चरित्र के विचार से चयन के लिए सभी प्रकार में उत्प्रेक्षित है ।

11. जो उम्मीदवार इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन-पत्र देने के बाद या परीक्षा में बैठ जाने के बाद केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग/संसद्देश सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय, आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा के आने पद से त्याग पत्र दे देगा अथवा अन्य किसी प्रकार से उन सेवा को छोड़ देगा या उसे अपना संबंध विच्छेद कर देगा या जिसकी संवर्ग उससे विभाग द्वारा समाप्त कर दी गई हो या किसी निःसंवर्गीय पद या दूसरी सेवा में स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त किया जा चुका हो और केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग के ग्रेड-3 या संसद्देश सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ भारतीय चुनाव आयोग आशुलिपिक सेवा में नियुक्त न हो, वह इस परीक्षा में परिणाम के आधार पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा । तथापि वह ग्रेड 'घ'/ग्रेड-3 के उन आशुलिपिकों पर लागू नहीं होगा, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद पर प्रतिनियुक्ति के रूप में नियुक्त किया जा चुका हो ।

कर्ण सिंह
निवेशक

परिशिष्ट

लिखित परीक्षा के विषय तथा प्रत्येक के लिए दिया गया समय तथा पूर्णिक इस प्रकार होंगे :—

भाग—क लिखित परीक्षा

विषय	अधिकतम अंक	समय
प्रश्न-पत्र वस्तु निष्ठ प्रकार :		
(क) सामान्य जानकारी	200	2 घण्टे
100 प्रश्न		
(ख) अंग्रेजी भाषा का परिज्ञान तथा लेखन		
योग्यता प्रश्न 100		

टिप्पणी : सामान्य जानकारी से सम्बन्धित प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में छापे जाएंगे।

भाग—क हिन्दी या अंग्रेजी आशुलिपिक परीक्षा
(लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिए)

200 अंक

टिप्पणी : उम्मीदवारों को अपने आशुलिपिक नोट टंकण मशीन से लिप्यंतरित करने होंगे और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी मशीन लानी होगी।

भाग—ग ऐसे उम्मीदवारों को सेवा अभिलेखों का मूल्यांकन जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार निर्णीत किए जाएंगे। अधिकतम 100 अंक

2. लिखित परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तथा आशुलिपिक परीक्षाओं की योजना इस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची में दिए गए विवरण के अनुसार होगी।

3. लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को अंग्रेजी अथवा हिन्दी की आशुलिपि परीक्षा देने होगी जहाँ अधिकतम 200 अंक की होगी।

टिप्पणी 1 : उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र के कालम 6 में आशुलिपि परीक्षा देने के लिए अपना माध्यम अवश्य लिखना चाहिए। एक बार चूना गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा तथा उचित कालम में परिवर्तन का कोई अनुरोध सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि किसी उम्मीदवार द्वारा विकल्प देने का अपेक्षित कालम खाली छोड़ दिया जाता है तो आशुलिपि परीक्षण के लिए उसका माध्यम अंग्रेजी समझा जाएगा।

टिप्पणी 2 : ऐसे उम्मीदवारों को अपनी नियुक्ति के बाद जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे, अंग्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपिक आवश्यक रूप में सीखनी पड़ेगी।

टिप्पणी 3 : उम्मीदवार ने जिस भाषा का विकल्प दिया है उसको अलावा अन्य किसी भाषा में आशुलिपि की परीक्षा देने पर कोई मान्यता नहीं दी जाएगी।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा में किसी या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित करेगा।

6. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

अनुसूची

लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम विवरण

(भाग—क)

टिप्पणी : भाग 'क' के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की 'मैट्रिकुलेशन' परीक्षा का होता है।

प्रश्नपत्र-1 (क) सामान्य जानकारी-प्रश्न उम्मीदवार के आस-पास के पर्यावरण के प्रति उसकी सामान्य जानकारी तथा समाज के प्रति उनके अनुप्रयोग के संबंध में उम्मीदवार की योग्यता की जांच करने के लिए पूछे जाएंगे। सामाजिक घटनाओं और विन-प्रतिविन पर्यवेक्षण के ऐसे मामलों और उनके वैज्ञानिक पहलुओं के संबंध में भी ज्ञान की जांच करने के लिए प्रश्न पूछे जाएंगे जिनकी जानकारी की अपेक्षा एक शिक्षित व्यक्ति से की जाती है। इस परीक्षा में भारत और उसके पड़ोसी देशों के संबंध में विशेषकर इतिहास, संस्कृति, भूगोल, आर्थिक व्यवस्था, सामान्य राज्य व्यवस्था तथा वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित प्रश्न भी पूछे जाएंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा का परिज्ञान तथा लेखन योग्यता—इस परीक्षा में अंग्रेजी भाषा शब्दावली, वर्तनी, व्याकरण, वाक्य संरचना, समानार्थक शब्द, विपरीतार्थक शब्द, दाक्ष्य पूरे करना, वाक्यांश तथा शब्दों के मुहावरोंद्वारा प्रयोग इत्यादि के संबंध में उम्मीदवार के विवेक तथा ज्ञान को आंकने के लिए प्रश्न-पत्र तैयार किए जाएंगे। इसमें अनुच्छेद परिज्ञान पर भी प्रश्न होंगे।

(भाग—ख)

आशुलिपिक परीक्षा की योजना

अंग्रेजी में आशुलिपिक की परीक्षाओं में डिक्टेशन परीक्षा 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए होगी जो उम्मीदवार को 50 मिनटों में लिप्यंतरित करनी होगी।

हिन्दी में आशुलिपिक की परीक्षाओं में डिक्टेशन परीक्षा 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए होगी जो उम्मीदवारों को 65 मिनटों में लिप्यंतरित करनी होगी।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

(प्रेम प्रभाग)

नई दिल्ली-110066, दिनांक 26 जुलाई 1999

शंकल्प

सं. 5-8/96 (आर) प्रेम—सरकार की समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 12-3-97 के क्रम में सामाजिक न्याय और अधिकारिता

मंत्रालय को समाज कल्याण अनुसंधान संबंधी संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्यों का कार्यकाल 31-12-99 तक बढ़ाया जाता है। अन्य बातें वही रहेंगी।

आदेश

आवेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आनन्द गोविंदा, संयुक्त सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1999

सं. क्र-16012/2/97-ई एस ए (एन एल आई)—जबकि वी. पी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संग्रहण का दिनांक 5 मार्च, 1999 की अधिसूचना संख्या क्र-16012/2/97-ई एस ए (एन एल आई) के द्वारा पुनर्गठन किया गया था।

उक्त अधिसूचना में अब एलएड्वारा निम्नलिखित परिवर्तन किया जाता है :—

“सचिव,

सदस्य

श्रम मंत्रालय,

विद्यमान प्रविष्टि

श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली”

के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी:—

“सचिव

: उपाध्यक्ष

श्रम मंत्रालय,

श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली”

राजेश आर. शर्मा, अवर सचिव

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1999

सं. 11013/1/98-आई.एस.एस.—भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड-4 में रिक्तियों को भरने के लिए 1999 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा यथानिर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग में ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो :—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका पूर्वी अफ्रीकी देशों कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया या वियतनाम से प्रवृत्त कर आया हो।

परन्तु उपरोक्त (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हों उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है, किन्तु भारत सरकार द्वारा उसके संबंध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही उसको नियुक्ति प्रस्ताव भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1999 को 21 वर्ष की होनी चाहिए किन्तु 30 वर्ष की नहीं होनी चाहिए, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1969 से पहले और 1 जनवरी, 1978 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(2) ऐसे उम्मीदवार के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक।

(3) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से संबंधित ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 10 वर्ष तक।

(4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ।

(5) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ।

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1999 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1999 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होता है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक ।

(7) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशनप्राप्त अधिकारियों) तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा (कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1999 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर; बर्खास्त न हो कर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1999 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होता है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ।

(8) आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों अल्पकालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 जनवरी, 1999 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और ध्यान देने पर नियुक्ति प्रस्ताव

प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष तक ।

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 जनवरी, 1999 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिये आवेदन कर सकते हैं और ध्यान देने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जायेगा, अधिकतम 10 वर्ष तक ।

(10) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के मामले में जो ऐसे उम्मीदवारों पर लागू होने वाले आरक्षण प्राप्त करने के पात्र हैं, अधिकतम तीन वर्ष तक ।

(11) नेत्रहीन, मूक बधिर एवं विकलांग व्यक्तियों के लिये अधिकतम 10 वर्षों तक (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिये 15 वर्ष तथा अन्य पिछड़ी जातियों के लिये 13 वर्ष) ।

टिप्पणी 1: भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक, (सिविल सेवा तथा पथों में पुनर्रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया गया है ।

टिप्पणी 2: नियम 5(ख) (2) से 5 (ख) (8) के अन्तर्गत आने वाले वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति से सम्बन्ध नहीं है यदि उन्होंने आयु छूट प्राप्त करने के बाद सिविल क्षेत्र में कोई सरकारी नौकरी पहले से ही ले ली है, वे आयु सीमा में छूट के लिये पात्र नहीं हैं ।

यद्यपि उन भूतपूर्व सैनिकों जिन्होंने केन्द्र सरकार के किसी सिविल पद में नियमित रूप से पहले ही रोजगार प्राप्त कर लिया है, को सरकार के किसी अन्य उच्चतर पद अथवा सेवा में रोजगार प्राप्त करने के लिये भूतपूर्व सैनिकों को मिलने वाली आयु में छूट का लाभ उठाने की अनुमति प्राप्त है ।

टिप्पणी 3: अन्य पिछड़े वर्गों से सम्बन्धित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त पैरा 5(ख) के किन्हीं अन्य खण्डों अर्थात् जो भूतपूर्व सैनिकों आदि की श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं, दोनों श्रेणियों के अन्तर्गत ही जाने वाली संचयी आयु सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे ।

टिप्पणी 4: उपर्युक्त नियम 5(ख) (ii) के अन्तर्गत आयु में छूट के बावजूद शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु पात्रता

पर नवी त्रिवार किया जा सकता है जब वह (गन्तार या नियोजना प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को आवेदन संबंधित सेवाओं/पदों के लिये निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी।

आयोग जन्म की यह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित मेट्रिकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्घरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्र में दर्ज हो।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली पत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख में प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्घरण तथा उन जैसे प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अनुच्छेद के इस भाग में आये "मेट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा" प्रमाण पत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण पत्र सम्मिलित है।

टिप्पणी 1 : उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिये कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज है और इसके बाद में उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जायेगा और न स्वीकार किया जायेगा।

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने के और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें या आयोग की अन्य किसी परीक्षा में किसी भी आधार पर परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. परीक्षा में प्रवेश हेतु भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिये उम्मीदवार के पास भारत के केंद्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की सांख्यिकी/गणितीय सांख्यिकी/प्रायोगिक सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिये।

2—191 GI/99

टिप्पणी 1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो, परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जायेगी और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2 : विशेष परिस्थितियों में संव लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3 : जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हक प्राप्त कर ली किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से हतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो सरकारी उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिचय (अण्डर-टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अधक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिये कि यदि आयोग को उन के नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिये आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जा सकती है।

9. किसी उम्मीदवार का आवेदन स्वीकार करने और परीक्षा में प्रवेश के लिए उनकी योग्यता या अयोग्यता के संबंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्रता की सभी

शर्तें पूरी करती हैं। परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग में उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण, में उनका प्रवेश पूर्णतः अनंतिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करने पर आधारित होगा। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण के पहले या बाद में स्थापन करने पर यह पता चलता है कि वे पात्रता की किन्हीं शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारी के संदर्भ में किन्हीं अन्य अनियमित, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर-पुस्तिकाओं में असंगत बातें लिखी हों, जो अप्रसिद्ध भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्म-चारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को भेजे गए परीक्षा की अनुमति विषयक प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) पूर्वाक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवप्रेरित करने का प्रयास किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिये अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(1) आयोग द्वारा की जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन में

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी में

अवज्ञित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है,

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उनसे न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों, इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में नील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तब स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनुशंसा की जा सकती है बशर्ते कि वे उम्मीदवार सेवाओं में चयन के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के जिन उम्मीदवारों की अनुशंसा आयोग द्वारा परीक्षा के किसी भी चरण में अर्हता या चयन माप वण्डों में रियायत/छूट दिए बिना की जाती है, उनका समायोजित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किम रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा तथा आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

16. उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता तो नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तिगत परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा कराई जा सकती है।

टिप्पणी :—कहीं निराश न होना पड़े, इसलिए उम्मीदवारों को मलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किम प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, उसके बारे में इन नियमों के परिशिष्ट-3 में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को इस सेवा की आवश्यकता के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

17. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबन्ध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबन्ध किया है तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू

होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से जिस सेवा के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

के० एस० प्रसादा राव,
निदेशक

परिशिष्ट—1

परीक्षा की योजना

खण्ड—1

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग—1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय, पूर्णांक 1000 होंगे।

भाग 2—आयोग द्वारा जिस उम्मीदवार को बुलाया जाता है उनके लिए मौखिक परीक्षा जिसके पूर्णांक 200 होंगे।

भाग—1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय, प्रत्येक विषय के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

क्र० सं०	विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
भारतीय सांख्यिकीय सेवा			
1.	सामान्य अंग्रेजी	100	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	100	3 घंटे
3.	सांख्यिकी—I	200	3 घंटे
4.	सांख्यिकी—II	200	3 घंटे
5.	सांख्यिकी—III	200	3 घंटे
6.	सांख्यिकी—IV	200	3 घंटे

नोट :— परीक्षा के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यक्रम का विवरण नीचे खण्ड-2 में दिए गए हैं।

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्र परम्परागत (निबन्ध) प्रकार के होंगे।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर, अंग्रेजी में लिखने चाहिए। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्र के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय में परीक्षा के किनी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

7. केवल सही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में मुख्यवर्धित, प्रभावशाली और सही ढंग में की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हो तोलों और मापों की केवल मीट्रिक प्रणाली में सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को बैटरी में चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी में कैलकुलेटर भांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

भाग—2

मौखिक परीक्षा—उम्मीदवार का भाषात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीय जीवनवृत्त होगा। भाषात्कार का उद्देश्य उक्त सेवा के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता जांचना होगा। भाषात्कार उम्मीदवार की सामान्य तथा विशिष्ट ज्ञान के परीक्षण तथा क्षमता को जांचने के लिए लिखित परीक्षा के अनूपूरक के रूप में होगा। उम्मीदवारों में आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याभ्यन के विशेष विषयों में ही सूक्ष्म के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई खोजों में रुचि लें जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

भाषात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं अपितु, स्वाभाविक निर्णय और मानसिक समर्पता, सामाजिक संगठन की योग्यता, उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक समर्पता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक समर्पता सामाजिक संगठन की योग्यता चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

खण्ड—2

परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे

अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषय से किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धांत को तथ्य के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनमें आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं के विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा। अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे कि जिससे उनके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जाच हो सके। संक्षेपण अथवा सारलेखन के लिए सामान्यतः गद्यांश दिए जाएंगे।

सामान्य अध्ययन

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा दैनिक अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी किसी शिक्षित व्यक्ति में आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न-पत्र में देश की राजनीतिक प्रणाली सहित भारतीय राज्य व्यवस्था और भारत का संविधान, भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही जाना चाहिए।

सांख्यिकी—1

(i) प्राप्तिता

माप सिद्धान्त के तत्त्व/प्रसिद्ध परिभाषाएँ एवं अभिवृद्धि की दृष्टिकोण/प्रतिदर्श समष्टि अनुवृत्तों के वर्ग एवं प्राप्तिता माप/पूर्ण एवं मिश्र प्राप्तिता के नियम n अनुवृत्तों में से m अनुवृत्त की प्राप्तिता। सन्नित्वबंध प्राप्तिता। बंध प्रमेय। यादृच्छिक चर—असंतत एवं सतत। बंटन फलन। मानक प्राप्तिता बंटन—बर्नौली, एक समान, द्विपद, प्वासों, ज्यामितीय आद्यात्ताकार, चरघातकी, प्रनामान्य, कांशी, पराज्यामितीय, बहुपदी, लाप्लास, नाकारात्मक द्विपद, बीटा, गामा, लव्गण प्रनामान्य एवं मिश्र प्वासों बंटन। संयुक्त बंटन, सन्नित्वबंध बंटन यादृच्छिक चरों का बंटन फलन। बंटन में विरग प्राप्तिता में, एक प्राप्तिता के साथ तथा बर्ग माध्य में अभिरग। आधूर्ण एवं संचयी। गणितीय प्रत्याशा एवं सन्नित्वबंध प्रत्याशा। अभिलक्षण-फलन एवं आधूर्ण तथा प्राप्तिता जनक फलन। प्रतिलोमन, अद्वितीयता तथा सान्त्व प्रमेय। बोरल 0-1 नियम, कोल्मोगोरोव 0-1 नियम/शेबीशेफ एवं काल्मोगोरोव की असमिका। स्वतंत्र चर के लिए वृद्ध संख्याओं का नियम तथा केन्द्रीय सीमा प्रमेय। सन्नित्वबंध प्रत्याशा एवं मार्टिंगेल।

(ii) सांख्यिकीय विधि

(क) आकृति का गवह, संकलन एवं परस्वीकरण। संचित, आरेख एवं आयत चित्र। बारंबारता बंटन। अवस्थित

प्रकीर्णन/परिक्षेपण, बर्धन एवं ककुदना की माप । द्विचर एवं बहुचर आकड़े । माहचर्य एवं आसंग । वक्र आसंगन एवं लंब-कोणीय बहुपद । द्विचर प्रसामान्य बंटन । समश्रयण—रैखिक, बहुपद । सहसंबंध गुणांक, आंशिक एवं बहु सहसंबंध, अंतर्गण सहसंबंध सहसंबंधात्पान का बंटन ।

(ख) मानक त्रुटि एवं वृहत् प्रतिदर्श परीक्षण । $X, S^2, t,$

का ई बर्ग तथा F ; का प्रतिचयन बंटन; इन पर आधारित महत्त्व का परीक्षण । लघु प्रतिदर्श परीक्षण ।

(ग) अप्राचलित परीक्षण—समंजन सुष्ठुता, माईन, माध्यिका, इन, चिल्कास्मन, मान-विटनी, बाल्ड-वुल्फोविट्स एवं काल्मोरोरोव—स्मरनोव । कोटिक्रम सांख्यिकी—न्यूनतम, अधिकतम, पराम एवं माध्यिका । उपगामी आपेक्षिक दक्षता की अवधारणा ।

(iii) संख्यात्मक विश्लेषण

अंतर्वेशन सूत्र (अवशेष पदों के साथ) लग्रांज के कारण । न्यूटन-ग्रेगोरी, न्यूटन का विभाजित अंतर, गाउस एवं स्टिरलिंग आंयलर—मैकलारिग संकलन सूत्र । प्रतिलोम अंतर्वेशन । संख्यात्मक समाकलन एवं अवकलन । प्रथम कोटि के अंतर समीकरण । नियत गुणांक के साथ रैखिक अंतर समीकरण ।

सांख्यिकी—II

(i) रैखिक निदर्श

रैखिक आकलन के सिद्धान्त । गाउस-मार्कोव (सैंट अप) प्रेक्षस्थल । निम्नतम वर्ग आकलन । g -प्रतिलोम का उपयोग । एकथा एवं द्विथा वर्गीकृत आंकड़ों का विश्लेषण—नियत, मिश्र एवं यादृच्छिक प्रभाव निदर्श । समाश्रयण गुणांक का परीक्षण ।

(ii) आकलन

अच्छे आकलक के लक्षण । अधिकतम संभावितता, निम्नतम काई-वर्ग, आधूर्ण एवं न्यूनतम वर्ग की आकलन विधि । अधिकतम संभावित आकलन के इष्टतम गुणधर्म । निम्नतम प्रसरण अंतर्भूत आकलन । निम्नतम प्रसरण परिबद्ध आकलन क्रामर-राव असमिका । भट्टाचार्या परिबद्ध । पर्याप्त आकलन । गुणतखंडन प्रमेय । पूर्ण सांख्यिकी । राव-ब्लैकवेल प्रमेय । विश्वास्यता अंतराल आकलन । इष्टतम विश्वास्यता परिबद्ध । पुनर्प्रतिदर्श, स्वोत्थानी एवं जैकार्ड ।

(iii) परिकल्पना परीक्षण एवं सांख्यिकीय गुणता-नियंत्रण

(क) परिकल्पना परीक्षण : सरल एवं मिश्र परिकल्पना दो प्रकार की त्रुटि । क्रांतिक कोण । विभिन्न प्रकार के क्रांतिक क्षेत्र एवं समरूप क्षेत्र । क्षमता फलन । शक्ततम एवं एकसमान शक्ततम परीक्षण । नेमेन-फियर्सन मूल लेमा । विभिन्न परीक्षण गणितज्ञों का परीक्षण । गैरगणिता अनुपात

परीक्षण मान्ड, एमपी आर टी, ओ सी एवं एम एन फलन । निष्ठागत अद्ययन एवं लेख सिद्धान्त ।

(ख) सांख्यिकीय गुणता नियंत्रण—वर्गों तथा गुण का नियंत्रण संचित । गुण द्वारा स्वीकरण प्रतिचयन—एकल, द्विथी, बहु तथा आक्रमिक प्रतिचयन आयोजना, ए ओ क्यू एल एवं एटी आई की अवधारणा पर द्वारा प्रतिचयन स्वीकरण-हार्जि-रोमिंग तथा अन्य टेबुलों का उपयोग ।

(iv) बहुचर विश्लेषण

बहुचर प्रसामान्य बंटन । मदिना माध्य तथा सहप्रसरण आवुह का आकलन । होटलिंगका T^2 सांख्यिकी का वितरण । महालानोथिसका D^2 सांख्यिकी तथा परीक्षण में उनका उपयोग । बहुचर प्रसामान्य जनसंख्या में प्रतिदर्श में आंशिक एवं बहुसह-संबंध गुणांक । बिणार्ट बंटन, इनके पुनरुत्पादन एवं अन्य गुणधर्म । चिल्क निकर्ष । विविक्तकर फलन । मुख्य घटक । विहित विचर एवं सहसंबंध ।

सांख्यिकी—III

(i) प्रतिचयन तकनीक

जनगणना यन्त्रावली प्रतिदर्श सर्वेक्षण । मार्गदर्शी एवं वृहत् परिणाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण । एन एम एन संगठन की भूमिका प्रतिस्थापन युक्त एवं बिना प्रतिस्थापन के सरल यादृच्छिक प्रतिचयन । स्तरित प्रतिचयन एवं प्रतिदर्श नियतन । सागत एवं प्रसरण फलन । आकलन की अनुपात एवं समाश्रयण विधि । प्रतिचयन के साथ प्रायिकता समानुपात के आकार । गुच्छ, द्विथी, बहुचरणी, बहुस्तरीय एवं क्रमबद्ध प्रतिचयन । परस्पर-वैधी उपप्रतिचयन । अप्रतिचयन त्रुटि ।

(ii) प्रयोग की अभिकल्पना एवं विश्लेषण

प्रयोग की अभिकल्पना के सिद्धान्त । पूर्णतया यादृच्छिकी-कृत, यादृच्छिकीकृत खंडक एवं लैटिन वर्ग अभिकल्पना का विन्यास एवं विश्लेषण । 2^N तथा 3^N प्रयोग में बहुउपादानों प्रयोग तथा संयोजन । विभक्त क्षेत्रक एवं पट्टी क्षेत्रक अभिकल्पना । संतुलित तथा आंशिक संतुलित अपूर्ण खंडक अभिकल्पना की रचना एवं विश्लेषण । सहप्रसरण विश्लेषण । अस्वतंत्र आंकड़ों का विश्लेषण । अप्राप्त एवं सन्निकल्प क्षेत्रक आंकड़ों का विश्लेषण ।

(iii) आर्थिक सांख्यिकी

कालश्रेणी के घटक । उनके निर्धारण की विधियाँ—विचरान्तर विधि । युल-स्लुत्स्की प्रभाव । सहसंबंध चिन्ह । प्रथम तथा द्वितीय कोटि का स्वसमाश्रयी प्रतिरूप । आर्वानिता चक्र विश्लेषण । मूल्य तथा मात्रा के लिए सूचकांक एवं उनके आपेक्षिक गुण । थोक तथा उपभोक्ता मूल्य के लिए सूचकांक की रचना । जात वितरण—मैग्रेटी एवं ऐंगेल तथा । संवेदन्य

वक्र । राष्ट्रीय आय के आकलन की विधि । अंतरात्रिज्यखंडी प्रवाह । अंतरा-औद्योगिक टेबुल । सी एम ओ की भूमिका ।

(iv) अर्थमिति

उपभोक्ता मांग के सिद्धांत एवं विश्लेषण-मांग फलन का विनिर्देशन एवं आकलन । मांग लोच (प्रत्यास्थता) । संरचना एवं प्रतिरूप । एकल समीकरण प्रतिरूप में प्राचल का आकलन—चिरप्रतिष्ठित न्यूनतम वर्ग, व्यापकीकृत न्यूनतम वर्ग, विषम विचालिता, श्रेणीगत सहसंबंध, बहुसंरेखता, पर प्रतिरूप में त्रुटि । समकालिक समीकरण प्रतिरूप—पहचान, कोटि एवं अन्य अवस्थाएं । परोक्ष न्यूनतम वर्ग एवं द्वितीयचरणी न्यूनतम वर्ग । अल्पकालीन आर्थिक पूर्वानुमान ।

सांख्यिकी—IV

(i) प्रसंभाव्य प्रक्रम

प्रसंभाव्य प्रक्रम का विनिर्देश, मार्कोव श्रृंखलाएं, अवस्था वर्गीकरण, सीमांत प्रायिकता; अचर बंटन; यादृच्छिक भ्रमण एवं जुआरी का वित्तनाश समस्या । प्वासों प्रक्रम, जन्म एवं मृत्यु प्रक्रम; पंक्तियों का अनुप्रयोग—M/M/I तथा M/M/C प्रतिरूप । शाखन प्रक्रम ।

(ii) संक्रिया विज्ञान

रैखिक प्रोग्रामन के तन्त्र । प्रसमुच्य प्रक्रिया । द्वेन नियम । यातायात एवं नियतन समस्याएं । एकल एवं बहुअवधिनलिका नियंत्रण प्रतिरूप । ABC विश्लेषण । व्यापक अनुकार समस्या । अपर्याप्त तथा विकृत मद के लिए प्रतिस्थापन प्रतिरूप ।

(iii) जनसांख्यिकी एवं जन्म-मरण सांख्यिकी

वय सारणी, इसकी रचना एवं गुणधर्म । मेकहेस एवं गोमपर्ट वक्र । राष्ट्रीय वय सारणी । UN प्रतिरूप वय सारणी । संक्षिप्त वय सारणी । स्थायी एवं स्थावर जनसंख्या । अंतरज जन्म दर । संपूर्ण उर्वरता दर । सकल एवं वास्तविक जन्म दर । अंतरज मृत्यु दर । मानकीकृत मृत्यु दर । आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रजनन; वास्तविक प्रजनन । अंतर्राष्ट्रीय एवं जनगणोत्तर आकलन । प्रक्षेपण विधि सहित वृद्धिघात वक्र समंजन । भारत में दशमलव जनसंख्या जनगणना ।

(iv) अभिकलित अनुप्रयोग एवं आंकड़ा संसाधन

(क) अभिकलित अनुप्रयोग

अभिकलित तंत्र की अवधारणा :—अभिकलित प्रणाली के घटक एवं फलन । केन्द्रीय संसाधन एकक, मुख्य स्मृति, द्व्यंक, बाईट, शब्द, निवेश/निर्गम युक्तियां, अभिकलित तंत्र में वेग एवं स्मृति क्षमताएं ।

प्रक्रिया सामग्री की अवधारणा :—प्रचालन पद्धति का पर्यवलोकन करना, प्रचालन पद्धति के प्रकार एवं फलन/प्रकार्य, अनुप्रयोग प्रक्रिया सामग्री, बहुकार्य निष्पादन के लिए प्रक्रिया सामग्री, बहुक्रमादेशन, प्रचय संसाधन विधि, कालभाजन विधि, तंत्र आलंब क्रमादेश की अवधारणा शब्द संसाधन एवं स्प्रेड-शीटों पर प्रचालित प्रक्रिया सामग्री संवेष्टन (पैकेज) का पर्यवलोकन ।

विशिष्ट क्रमादेश के अनुप्रयोग का पर्यवलोकन :—प्रवाह संचित, कलन-विधिका आधार अभिकल्पना के मूल एवं कलन-विधि का विश्लेषण, आंकड़ा संरचना, पंक्ति, चित्ति (स्टैक) का आधार ।

(ख) आंकड़ा संसाधन :—अंकीय संख्या पद्धति, संख्या रूपांतरण, पूर्णाकों का द्विआधारी निरूपण, वास्तविक संख्याओं का द्विआधारी निरूपण । तार्किक अवयव जैसे संप्रतीक, क्षेत्र अभिवेख, संचिका आंकड़ा प्रेषण एवं संसाधन के मूल त्रुटि नियंत्रण एवं त्रुटि संसाधन सहित ।

आंकड़ा संचय प्रबन्ध :—आंकड़ा संसाधन प्रबन्ध, आंकड़ा संचय एवं संचिका संगठन एवं संसाधन (क) प्रत्यक्ष (ख) अनुक्रमिक (ग) सूचित अनुक्रमिक संचिका । ग्राहक सेवित वास्तुकला की अवधारणा । आंकड़ा संचय प्रणालिक । डी बी एम एम प्रक्रिया सामग्री का पर्यवलोकन ।

परिणित—2

इस परीक्षा के द्वारा त्रिस सेवा में भर्ती की जा रही है, उसका संक्षिप्त ब्यौरा :

1. जो उम्मीदवार सफल होंगे, उनकी नियुक्ति इस सेवा के ग्रेड-4 में परीवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है । सफल उम्मीदवारों की परीवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पाम करनी होगी ।

2. यदि सरकार की राय में किसी परीवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशलता की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है ।

3. परीवीक्षा की अवधि या उसकी बड़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है ।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परीवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियों उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा ।

5. जिस सेवा के लिए भर्ती की जाती है उसके लिए निर्धारित वेतनमान निम्न प्रकार है :—

भारतीय सांख्यिकी सेवा

1. उच्च प्रशासनिक ग्रेड रु० 22400-525-24500
2. वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु० 18400-500-22400
3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु० 12000-375-16500
(रु० 14300-400-18300 के वेतनमान में नान-फंक्शनल चयन ग्रेड सहित)
4. वरिष्ठ समय वेतनमान रु० 10000-325-15200
5. कनिष्ठ समय वेतनमान रु० 8000-275-13500

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड-4 में पदोन्नति समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय सांख्यिकी सेवा नियमों के उप-वर्णों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा उसकी किसी राज्य सरकार या गैर-सरकार संगठन में निष्पन्न अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. इस सेवा के अधिकारियों की सेवा की शर्तें तथा छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप "क" के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे सशोधनों की शर्तें के साथ ही जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट-3

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम [ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं? ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षक (मेडिकल एक्जामिनर) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं]।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पाने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइंडियन सहित) जाति के उम्मीदवार की आय, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में

मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए यदि धजन, कद और छाती के बारे में विलम्बता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा— वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेण्डर्ड) से इस प्रकार मटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के पावों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी ऐड़ियां, पिछलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि मिर का स्तर (वर्टिकल आफ दी हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आई छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और मीधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार को छाती मापने का तरीका इस प्रकार—उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा ताकि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शेल्डर ब्लैड) निम्न कोणों (इन्फीरियर ऐंगल्स) से लगा और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इन बातों का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव और से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा। 84-89, 86-93 आदि माप का रिकार्ड समय आधे सेंटीमीटरों से कम से कम के भिन्न (क्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के क्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) दृष्टि के बिना नजर (नैकेड आईविजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हानि के बारे में सलाह सूचना (वैनिक इन्फार्मेशन) मिलेगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नज़र का मानक निम्नलिखित होगा:—

दूर की नज़र		नजदीक की नज़र	
अच्छी आंख (डी.डी. की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (डी.डी. की हुई दृष्टि)	खराब आंख
6/9	6/9		
	या		
6/9	6/12	ज-I	जे-II

(च) माथ्योपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्य-कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फ़ेडेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को वैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है (1) बिटामिन 'ए' की कमी के कारण और (2) रेटिना के शरीर रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटि-निटिस पिगमेंटीसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है। साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में बिटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चलता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनु-कूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रोरेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में अधिक समय लगता है। और विशेष प्रबंध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताने कि रतौंधी के लिए एन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या और उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता में भिन्न आंख की अवस्थाएं (आकृति 1) के अनुसार) —

- (1) आंख की उम बीमारी की या बढ़ती हुई अवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ़्रैक्टिव एरर) का ज़िम्मेदार परिणाम स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।
- (2) भैगापन (स्क्विट) : तकनीकी सेवाओं में जहां द्वि-नेत्री (बाइनोकलर) दृष्टि अनिवार्य हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भैगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भैगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।
- (3) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक आंख अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोध हेतु त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख :

- (1) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे० 1 का चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना ही बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में त्रुटि 4 डायोप्टर्स से अधिक न हो।
- (2) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो।
- (3) की सामान्य रंग दृष्टि जहां अपेक्षित थे

बशर्ते कि बोर्ड को यह सामान्य हो जाए कि उम्मीदवार प्रभु-धोन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेन्स—उम्मीदवार को स्वास्थ्य परीक्षा समय कान्टेक्ट लेन्स के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करने समय दूर की नज़र के लिए टाइप किए गए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश में हो।

7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। ताम्र उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती है:—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा आयु के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आय होता है।

- (2) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों से ब्लड प्रेशर आकलन करने में 110 में आधी आधी जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम०एम० के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की ओर 90 एम०एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साईमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर वृद्धि छोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केसों में हृदय को एक्स-रे और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रो कार्डिोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दबावमापी (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिजन्टल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर इसके नीचे किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े को पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रकट धमनी (वेकिअल आर्टरी) को दबाकर ठूँदा जाता है तब तक उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम०एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाव इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कांलम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियाँ तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाए, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए शोमकार होता है और इसमें रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए (कभी-कभी कफ) से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दबाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किंग एड मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लूकोसरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है एक ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिकल के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड को "फिट" या "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उचित प्रभाव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टीशनर से आरोग्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर प्रसुति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिए, उसको फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

- (क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान को बाँस रा का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कान को कोई खरबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने को खरबी का इलाज शल्य क्रिया अथवा परेशन या हियरिंग एण्ड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान को बाँस रा बंदने वाला न हो। विवेकता परीक्षा प्राधिकारों के म.ग.दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित म.ग.दर्शन जानकारी भी जानी है :—

- (1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहारा पूर्ण बहारा पर दूसरा कान पर 30 डेसिबल तक ही तो सन्तुष्ट होगा। गैर-सन्तुष्टता का नाम के लिए योग्य।

- (2) दोनों कानों में बहुरापन यदि 1000 से 4000 तक या प्रत्यक्ष बोध जिसमें की स्पीच फ्रीक्वेंसीज में श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) बहुरापन 30 डेसीबल तक द्वारा कुछ सुधार संभव हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य है।
- (3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरन में छिद्र। (1) एक काम सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। काम की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(2) के अधीन विचार किया जा सकता है।
- (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
- (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र हो पर अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (4) काम के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केविटी से सबसे नार्मल श्रवण। (1) किसी एक काम के सामान्य रूप के एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब-नार्मल श्रवण वाले काम/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार कामों के लिए योग्य।
- (2) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।
- (5) बहते रहने वाला काम आपरेशन किया या बिना आपरेशन वाला तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी प्रकार के रूप से अयोग्य।
- (6) नासापट की हड्डी संबंधी (1) प्रत्येक मामले में परिस्थित-विसमताओं (बीनों डि-तियों के अनुसार निर्णय किया फारमिट रहित अथवा जाएगा। उससे नाक की प्रदाहक/एलजिक दशा।
- (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (7) टॉसिल और/या स्वरयंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा। (1) टॉसिल और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य।
- (2) यदि आवाज अत्याधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) (1) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (2) दुर्दम्य ट्यूमर अयोग्य।
- (9) आस्टैक्लरोसिस। श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले (1) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य।
- (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
- (11) नेजल पोलि। अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में है या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर मकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं उसका दिल या फेफड़े ठीक है या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे स्क्वर है या नहीं।
- (छ) उसे हार्ड्रोसील, बड़ी हुई बैरिकोसील, बैरिकाजिशरा (वन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और बिक्रा अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती है या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्म-जात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान है या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान है या नहीं।

(ज) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो सभी मामलों में नियमित रूप से छाती की एकसरे परीक्षा की जानी चाहिये।

“यह भी उल्लेखनीय है कि साक्षात्कारों के लिये बुलाये गये अभ्यर्थियों की स्वास्थ्य परीक्षा आयोजित करते समय जिन अभ्यर्थियों ने किसी सरकारी अस्पताल अथवा ऐसे परीक्षकों के लिये अधिकृत किसी अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षा की तारीख से बारह महीने पहले ही एकसरे परीक्षण करा लिया है, उन्हें एकसरे परीक्षा से छूट दी जायेगी।

यह इस शर्त पर भी निर्भर होगा कि पहले कराई गई स्वास्थ्य परीक्षा से इस प्रकार का प्रयोजन पूर्णतया सिद्ध हो रहा है और उस व्यक्ति की पहचान सन्देह से परे है अर्थात् यह प्रमाणित किया जाता है कि अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत एकसरे रिपोर्ट उसी व्यक्ति की, की गई एकसरे जांच की रिपोर्ट है।

यह साबित करने का दायित्व स्वतः अभ्यर्थी पर है कि उसकी एकसरे जांच 12 महीने पूर्व की गई तथा वह ऊपर दिये गये विषय निवेशों के अनुसार इस जांच से स्वस्थ ठहराया गया।

अभ्यर्थी के स्वास्थ्य के बारे में केन्द्रीय स्पाई चिकित्सा मण्डल (संबन्धित अभ्यर्थी की चिकित्सा परीक्षा का संचालन करने वाला) के अध्यक्ष का निर्णय अन्तिम होगा।

12. सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं सन्देश हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है। उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक झूटि अथवा विषयम (एबरेशन) से पीड़ित होने का सन्देश होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविकास विज्ञानी मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाणपत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख बेनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

13. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के रु० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापिस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किये जायेंगे शेष दूसरों के बारे में यह जम्मा कर लिया जायेगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गये निर्णय के 2 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिये अन्यथा अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायगा। अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा

बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में होगी और स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की गई यात्रा के लिये कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रन्ध के लिये योजना मंत्रालय (सांख्यिकी विभाग) जैसी भी स्थािति हो द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षा के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाये जाने वाले स्टैण्डर्ड सम्बन्धित उम्मीदवार को आयु और सैवाकाल यदि हो, के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिये।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायेगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टेंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (वाइली इमफमिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

यह बात समझ लेनी चाहिये कि योग्यता का प्रश्न भविष्य के भी उतना ही सम्बन्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाये कि जहाँ प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिये जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सदस्य होंगे (1) एक कार्य चिकित्सक (2) एक माल्य चिकित्सक और (3) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिये। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सह्योजित किया जायेगा।

भारतीय सांख्यिकी सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत के बाहर क्षेत्र सेवा और (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिपोर्ट करनी चाहिये कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरों को बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिये।

ऐसे मामले में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताया जा सकता है। किन्तु डाक्टरों को बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामले में जहां डक्टररी बोर्ड का यह विचार है कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डक्टररी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिये। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाये तो दूसरे डक्टररी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि सधारण तथा अधिक से अधिक 6 महीने से ज्यादा नहीं होनी चाहिये।

निश्चित अवधि के बाद अब दुबारा परीक्षा में तो ऐसे उम्मीदवार को और अगे की अवधि के लिये अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये, उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिये।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिये और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिये नीचे दिये गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिये।

1. अपना पूरा नाम लिखें.....
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें.....

3. (क) क्या आप गौरबा, गढ़वाली, असमिया नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित है जिसका औसत कंधे वृत्तों से कम होता है 'हां' या 'नहीं' में उत्तर बीजिये उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बतायें।

(ख) क्या आपको कभी चेचक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना धूक में खून आना, वम, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रुमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

दूसरी कोई बीमारी या कुर्वेटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो/हुई है ?

4. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है ?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय आपके कितने भाई जीवित हैं और मृत्यु का कारण	आपके भाईयों की मृत्यु हुई चुकी है उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	--	--

1

2

3

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय आपकी कितनी बहनें जीवित हैं और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हुई चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	--	---

1

2

3

6. क्या इसके पहले मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा ली है ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइए कि सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला अधिकारी कौन था ?

9. कब और कहां मेडिकल बोर्ड हुआ ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :— उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेवार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति हो भी जाए तो वाधक्य निवृत्ति भत्ता (सुपर-एन्पूशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

..... (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास अच्छा बीष का
 कम कम पोषण पतला
 औसत मोटा
 कद जूते उतार कर वजन
 अल्पतम वजन कब था ?
 वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
 तापमान
 छाती का घेरा
 (1) पूरा सांस खींचने पर
 (2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचाएं कोई जाहिर बीमारी
 3. नेत्र

- (1) कोई बीमारी
- (2) रतौंधी
- (3) कलर विजन का दोष
- (4) दृष्टि मेल (फील्ड आफ विजन)
- (5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)
- (6) फण्ड की जांच

दृष्टि की चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की क्षमता तीक्ष्णता	गोल वर्तुल एक्सिस
दूर की नजर वा०ने० वा०ने०	
पास की नजर वा०ने० वा०ने०	

4. कान : निरीक्षण सुनना
 बायां कान
 बायां कान

5. ग्रंथियां थाइराइड

6. दांतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रेस्पायरेटरी सिस्टम)— क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौरा दें।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलैटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लीजन)

गति रेट :—

खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने पर

कुदाए जाने के नेट बाय बो मि०

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक

..... डायस्टोलिक

9. उधर (पेट) : घेर स्पांशसहायता
 हनिया —

(क) दबा कर मापूम पड़ना/लिवर

तिल्ली गुर्दे

ट्यूमर

(ख) रक्ताण

भगंदर

10. नात्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) नात्रिक या मानसिक
 अशक्तता भगन्दर का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)
 असमानता

12. जलन मूल तन्त्र (जैनिरी युरिनरी सिस्टम) हाइड्रोसिल
 वरिक्नोसिल आदि का कोई संकेत।

मूल परीक्षा —

(क) कैसा बिछाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एलबूमन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सैक्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट ?

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट .— महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (क) क्या वह भारतीय सांख्यिकी सेवा में दक्षता—
 पूर्वक और निरन्तर कार्य के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है।

(ख) क्या उम्मीदवार भेद सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट .— बोर्ड को अपना परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(क) योग्य (फिट)

(ख) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण

(ग) अस्थायी रूप से अयोग्य जिसका कारण

स्थान

तारीख

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES &
PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)

New Delhi, the 14th August 1999

RULES

No. 10/1/99-CS-II.—The rules for a limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for Grade 'C' of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade 'C' of the Central Vigilance Commission Stenographers Service, Grade II of the Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B), Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service and Grade 'C' of the Research Designs & Standards Organisation (Ministry of Railways) Stenographers Service Election Commission of India Gr. 'C' to be held by the Staff Selection Commission in 1999 are published for general information.

2. The number of persons to be selected for inclusion in the select list will be determined later as given in para 2 of the Notice issued by the Commission. Reservations shall be made for the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes after taking into account the vacancy position reported to the Commission by the indentify cadres/officers.

A Scheduled Caste/Scheduled Tribe means any of the Castes/Tribes specified in the Orders issued under Article of the Constitution from time to time.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held, shall be fixed by the Commission.

4. Conditions of eligibility:—Any permanent or temporary regularly appointed officer, belonging to Grade D or Grade III of the Central Secretariat Stenographers Service/Central Vigilance Commission Stenographers Service/Stenographers Cadre of Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers Service/Railway Board Secretariat Stenographers Service/Research Designs Standards Organisation (Ministry of Railways Stenographers Service) Election Commission of India Stenographers' Service who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination and compete for vacancies in his service only that is Grade 'D' Stenographers of the Central Secretariat Stenographer's Service will be eligible for the vacancies in Grade 'C' of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade 'D' Stenographers of Central Vigilance Commission Service will be eligible for the vacancies in Grade 'C' of the Central Vigilance Commission, Grade III Stenographers of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for the vacancies in Grade II of the Stenographers of the Cadre of the Indian Foreign Service (B). The Grade 'D' Stenographers of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service will be eligible for vacancies in grade 'C' of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, the Grade 'D' Stenographers of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be eligible for vacancies in Grade 'C' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service and the Grade 'D' Stenographers of the RDSO Stenographers Service will be eligible for vacancies in Grade 'C' of the RDSO Stenographers' Service.

(a) Length of Service:—He should have on the crucial date that is on 1-8-99 rendered not less than 3 years approved and continuous service in Grade D or Grade III of the Service.

Note:—Grade D officers who are on deputation to ex-cadre post with the approval of the competent authority and those having a lien in Grade D or Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers Service/Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Research Designs & Standards Organisation Stenographers Service Election Commission of India Stenographers Ser-

vice will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

Provided that if he had been appointed to Grade 'D' of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade 'D' of the Central Vigilance Commission Stenographers' Service/ Grade 'D' of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service/Grade III of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service (B)/Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Grade 'D' of the RDSO Stenographers' Service Grade 'D' of Election Commission of India Stenographers Service on the results of the competitive examination, including a limited departmental competitive examination result of such examination should have been announced not less than three years before the crucial date and he should have rendered not less than two years approved and continuous service in the Grade.

(b) Age:—He should not be more than 50 years of age on 1-8-1999 i.e. he must not have been born earlier than 2-8-1949.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable:—

(i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) upto a maximum of three years (eight years for SC/ST) in case of Defence Service Personnel disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(iii) upto a maximum of three years (eight years for SC/ST) in case of Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

(d) Stenography Test—Unless exempted from passing the Commissions Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade D/Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Research Designs and Standards Organisation Stenographers' Service Election Commission of India Stenographers Service the candidates should have passed the Test on or before the date of notification of the examination.

Note: Grade 'D' or Grade III Stenographers who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority and those having a lien in Grade D/Grade III of the Service will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible.

This, however does not apply to a Grade D/Grade III Stenographers who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on 'Transfer' and does not have a lien in Grade D/Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Research Design & Standards Organisation Stenographers' Service. Election Commission of India Stenographers' Service.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or

- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) writing irrelevant matter, including, obscene language or pornographic matter in the script(s), or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination.
- (xi) violating any of the instruction issued to the candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination.
- (xii) taking away answer book/shorthand notes/typing script with him/her from the examination hall,
- (xiii) attempting to commit or, as the case may be abetting the Commission or all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them, and
 - (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

8. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission, in six separate lists, in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified in the examination shall be recommended for inclusion in the Select Lists of Grade C of the Central Secretariat Stenographers' Service, Central Vigilance Commission Stenographers' Service, Stenographers Cadre of Indian Foreign Service (B), Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, Railway Board Secretariat Stenographers' Service, and Research Designs and Standards Organisation stenographers' Service Election Commission of India Stenographers' service upto the required number.

Note : Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in the Select List for Grade C/Grade II of the Central Secretariat Stenographers' Service & Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' of Indian Foreign Service (B), Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service Election Commission of India Stenographers' Service on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for inclusion in the Select List on the basis of performance in this examination as a matter of right.

9. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in its discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

10. Success in the examination confers no right to selection unless the cadre authority is satisfied, after such enquiry

as may be considered necessary that the candidate, having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection.

11. A candidate, who after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment in the Central Secretariat Stenographers' Service or Central Vigilance Commission Stenographers' Service or Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B), or Armed Forces Headquarters Service, Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service or Election Commission of India Stenographers' Service or otherwise quits the Service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on "transfer" and does not have a lien in Grade D of the Central Secretariat Stenographers' Service or Grade III of Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B) or Grade D of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service Election Commission of India Stenographers' Service will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This however, does not apply to Grade D/Grade III Stenographers who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the Competent authority.

KARAN SINGH, Director

APPENDIX

The subjects of the written examination and the maximum marks for each subject will be as follows :—

PART A—WRITTEN TEST

Subject	Maximum Marks	Time
PAPER : (Objective type)		
(a) General Awareness 100 Questions.		
(b) Comprehension and writing ability of English language 100 Questions.	200	2 hours

Note :—Questions relating to General Awareness will be set both in Hindi & English.

PART—B SHORTHAND TEST IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST) 200 MARKS.

Note :—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose they will be required to bring their own type-writers with them.

PART—C EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OF SUCH OF THE CANDIDATES AS MAY BE DECIDED BY THE COMMISSION IN THEIR DISCRETION CARRYING A MAXIMUM OF 100 MARKS.

2. The Syllabus for the written test and the scheme of the Shorthand Test will be as shown in the Scheduled to this Appendix.

3. Candidates qualified in the written Examination are required to appear in Shorthand Test either in English or in Hindi which will be of 200 marks.

Note : 1—Candidates must indicate their medium for taking Stenography Test in column 6 of the application form. The option once exercised shall be treated

as final and no requests for alteration in the said column shall ordinarily be entertained. If the requisite column of option is left blank by any candidate, his/her medium of Stenography test shall be deemed to be 'English'.

Note :2—Candidates who opt to take the Shorthand Test in Hindi will be required to learn English Stenography and vice versa after their appointment.

Note :3—No credit will be given for Shorthand Test taken in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidate must write the apapers in their own hand. In no circumstances will they be allowed to the help of a scribe to write answer from them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for Shorthand Test.

SCHEDULE

PART-A

Standard and Syllabus of the Written Test.

Note :—The Standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

(a) General Awareness :—Questions will be aimed at testing the candidates' general awareness of the environment around him and its application to society. Questions will also be designed to test knowledge of current events and of such matters of every day observations and experience in their scientific aspect as may be expected of an educated person. The test will also include questions relating to India and its neighbouring countries especially pertaining to History, Culture, Geography, Economic Scene, General polity and scientific research.

(b) Comprehension and Writing Ability of English Language :—

Questions will be designed to test the candidates' understanding and knowledge of English Language, vocabulary, spellings, grammar, sentence structure, synonyms, antonyms, sentence completion, phrases and idiomatic use of words etc. There will be question on comprehension of a passage also.

PART-B

Scheme of Shorthand Tests

The Shorthand test in English will comprise dictation test at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 50 minutes.

The Shorthand test in Hindi, will comprise dictation test at 100 words per minute for 10 minutes which the candidate will be required to transcribe in 65 minutes.

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT (PREM DIVISION)

New Delhi-66, the 26th July 1999

RESOLUTION

F. No. 5-8/96 (R)-PREM.—In continuation of Government Notification of even number dated 12-3-97 the tenure of members of the Combined Advisory Committee on Social Welfare Research for the Ministry of Social Justice & Empowerment is extended upto 31-12-99. The other terms and conditions remains the same.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

ANAND BORDIA, Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 28th July 1999

No. Q-16012/2/97-ESA(NLI).—Whereas reconstitution of V. V. Giri National Labour Institute was notified vide Notification No. Q-16012/2/97-ESA(NLI), dated the 5th March, 1999.

Now in the said Notification, the following change is hereby made :—

For the existing entry :—
"Secretary,

Member

Ministry of Labour,
Sharm Shakti Bhawan, New Delhi."

The following entry shall be substituted :—

Vice-President

"Secretary,
Ministry of Labour,
Shram Shakti Bhawan,
New Delhi."

RAJESH R. SHARMA, Under Secy.

MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION

(DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi, the 14th August 1999

RULES

No. 11013/1/98-ISS.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1999 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the Indian Statistical Service are Published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A Candidate must be either : —

- a citizen of India, or
- a subject of Nepal, or
- a subject of Bhutan, or
- a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer

of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1999 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1969 and not later than 1st January, 1978.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (f) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of five years if a candidate has ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st of December, 1989.
- (iii) upto maximum of ten years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and had ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989;
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (v) upto a maximum of eight years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof and who belongs to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes.
- (vi) upto a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1999 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1999 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (vii) upto a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military service as on 1st January, 1999 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1999 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (viii) upto a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1999 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issue a certificate that they can apply for Civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer to appointment;
- (ix) upto a maximum of ten years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1999 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the ministry of Defence issue a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(x) upto a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

(xi) upto a maximum of 10 years (15 years for Scheduled Caste/Scheduled Tribe and 13 years for OBC) in the case of blind, deaf-mute and Orthopaedically handicapped persons.

Note 1 The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as 'Ex-servicemen' in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time.

Note 2. Candidates failing under rule 5(b) (i) to 5 (b) (x) who do not belong to Scheduled Castes and Scheduled Tribes are not eligible for age-concession if they have already joined any Government job on civil side after availing of the age concession.

The Ex-Servicemen who have already secured regular employment under the Central Govt. in a civil post are, however, permitted the benefit of age relaxation as admissible to Ex-Servicemen for securing another employment in any higher post or service under the Central Government.

Note 3. Candidates belonging to Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of any Rule 5(b) above, viz., those coming under the category of Ex-Servicemen etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

Note 4. Notwithstanding the provision of age-relaxation under Rule 5(b) (xi) above, a physically handicapped candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirement of physical and medical standards for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically handicapped candidates by the Government.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth, accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating age like horoscopes affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the Instruction include the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1 :—Candidate should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission, and no subsequent request for its change will be considered or accepted.

NOTE 2 :—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently (or at any other Examination of the Commission) on any grounds whatsoever.

6. A candidate for the Indian Statistical Service must have obtained post graduate degree in statistics/Mathematical statistics/Applied statistics from any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State

Legislature in Indian or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grant Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I—Candidates who have appeared at an examination, the passing of which would render them eligible to appear at this examination but have not been informed of the result may apply for admission to the examination. Candidates who intend to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce the proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed application which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the results of the written part of the examination.

NOTE II—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualification, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE III—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a Foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application will be liable to be rejected/candidature to be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Written Examination and Interview Test will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements, which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the Examination, or

- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for viva-voce.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the other Backward Classes may be summoned for viva voce by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned by viva-voce on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service(s).

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to any relaxations/Concession in the eligibility or selection criteria at any stage of the examination shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or, the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for viva voce by the Commission may be required to undergo physical examination.

Note.—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service.

17. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.
- shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for a doing exempt any person from the operation of this rule.

18. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

K. S. PRASADA RAO, Director

APPENDIX I

SCHEME OF EXAMINATION

SECTION 1

The examination shall be conducted according to the following plan—

Part I—Written examination carrying a maximum of 1000 marks in the subjects as shown below.

Part II—Viva voce of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks.

5—191 GI/99

PART-I

The subject, of the written examination under Part-I the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

Indian Statistical Service

Sl. No.	Subject	Maximum Marks	Time Allowed
1.	General English . . .	100	3 hrs.
2.	General Studies . . .	100	3 hrs.
3.	Statistics I . . .	200	3 hrs.
4.	Statistics II . . .	200	3 hrs.
5.	Statistics III . . .	200	3 hrs.
6.	Statistics IV . . .	200	3 hrs.

Note.—The details of standard and syllabi for the examination are given in Section II below.

2. The question papers in all subjects will be of Conventional (essay) type.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for more superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of weights and measures only will be set.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

11. Candidates should use only International Form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

PART-II

Viva-voce—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of a strict cross-examination, but of a natural, thought directed and purposive conversation intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative any capacity for leadership.

SECTION II

STANDARD & SYLLABI

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field of Statistics.

GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passage will usually be set for summary or précis.

GENERAL STUDIES

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on Indian Polity including the political system and the Constitution of India, History of India and Geography of a nature which a candidate should be able to answer without special study.

STATISTICS-I

(i) Probability

Elements of measure theory. Classical definitions and axiomatic approach. Sample space. Class of events and Probability measure. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, Cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Joint distributions, conditional distributions, Distributions of functions of random variables. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Borel 0—1 law; Kolmogorov's 0—1 law. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables. Conditional expectation and Martingales.

(ii) Statistical Methods

(a) Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion, skewness and kurtosis. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate normal distribution. Regression—linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient, Partial and multiple correlation. Intraclass correlation, Correlation ratio.

(b) Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of \bar{X} , S^2 , t , chi-square and F ; tests of significance based on them. Small sample tests.

(c) Non-parametric tests—Goodness of fit, sign, median, run Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz and Kolmogorov-Smirnov. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median. Concept of Asymptotic relative efficiency.

(iii) Numerical Analysis

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton Divided difference, Gauss and Stirling. Euler-Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant coefficients.

STATISTICS-II

(i) Linear Models

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff setup. Least square estimators. Use of g -inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients

(ii) Estimation

Characteristics of good estimator. Estimation methods of maximum likelihood minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds. Resampling, Bootstrap and Jackknife.

(iii) Hypothesis testing and Statistical Quality Control

(a) Hypothesis testing : Simple and composite hypothesis. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT, OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

(b) Statistical Quality Control : Control Charts for variables and attributes; Acceptance Sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential Sampling plans; Concepts of AOQL and ATI; Acceptance Sampling by variables—use of Dodge-Romig and other tables

(iv) Multivariate Analysis

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic. Mahalanobis's D^2 Statistic and their use in testing. Partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS-III

(i) Sampling Techniques

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Role of NSS organization. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and Variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster, double, multiphase, multistage and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

(ii) Design and Analysis of Experiments

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and Latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^n experiments, Split-plot and strip-plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iii) Economic Statistics

Components of time series. Methods of their determination—variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table. Role of CSO.

(iv) Econometrics

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities.

Structure and model. Estimation of parameters in single equation model — classical least squares, generalised least-square, heteroscedasticity, serial correlation, multi-collinearity, errors in variable model. Simultaneous equation models — Identification, rank and other conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

STATISTICS-IV

(i) Stochastic Processes

Specifications of a Stochastic Process. Markov chains, classification of states, limiting probabilities, stationary distribution: Random walk and Gambler's ruin problem. Poisson process. Birth and death process: Applications to Queues—M/M/1 and M/M/C models. Branching Process.

(ii) Operations Research

Elements of linear programming. Simplex procedure. Principle of duality. Transport and assignment problems. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(iii) Demography and Vital Statistics

The life table, its constitution and properties. Makehams and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection method including logistic curve fitting. Decennial population census in India.

(iv) Computer application and Data Processing

(a) Computer Application

Computer system concepts : Computer system components and functions. The Central Processing unit, Main memory, Bit, Byte, Word, Input/Output Devices, Speeds and Memory capacities in computer systems.

Software concepts : Overview of Operating Systems, Types and Functions of Operating System, Application Software. Software for multi-tasking, multi-programming. Batch Processing Mode, Time sharing mode, concept of System Support Programme. Overview of Existing Software packages on Word Processing and Spreadsheets.

Overview of an Application Specific Programme : Flow charts, Basics of Algorithm, Fundamental of design and analysis of Algorithm; Basics of data structure, Queue, stack.

(b) Data Processing

Data Processing : Digital Number System, Number conversions. Binary representation of integers, Binary representation of real numbers, Logical Data element like character, fields, records, files, Fundamentals of data transmission and processing including error control and error processing.

Data base management : Data resource management. Data base and file organisation and processing. (a) Direct, (b) Sequential, (c) Indexed Sequential files. Concepts of Client Server architecture. Data Base Administrator. An overview of DBMS software.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination.

1. Candidates selected for appointment to the service will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for the Service to which the recruitment is being made are as follows :

(B) Indian Statistical Service

1. Higher Administrative Grade	Rs. 22400-525-24500
2. Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
3. Junior Administrative Grade	Rs. 12000-375-16500
(Inclusive of a Non-Functional Selection Grade in the scale of Rs. 14300-400-18300).	
4. Senior Time Scale	Rs. 10000-325-15200
5. Junior Time Scale	Rs. 8000-275-13500

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Condition of service, leave and pension etc. for officers of the Service will be governed by the rule applicable to members of other Central Civil Service Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Service) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners].

The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and body health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard. The chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the ape. The candidate will then be directed to take deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 84—83 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
6/9	or 6/12	J-7	J-11

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) Field of Vision.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) Night Blindness.—Broadly there are two types of night blindness (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis Pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaption and retinography) are time consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) Ocular condition, other than visual acuity.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) Squint.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) One eye.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has :—

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) Contact Lenses.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of the age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B. —As a general rule any systolic pressure over 140 mm, and diastolic over 90 mm, should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury monometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of clothes bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of suff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. The 'Silent Gap' may cause error on reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If expect for the glycosuria the Board finds the candidate confirm to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed.

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decible in higher frequency.

(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical job if the deafness is up to 30 decible in speech frequency of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit.

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation in both ears—Temporarily unfit.

(4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. (i) Either ear normal herein other ear Mastoid cavity Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs, Fit for non-technical jobs if hearing

improves to 30 Decibles in either ear with or without hearing aid.

(5) Persistently/ discharging ear operated/unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.

(8) Benign or locally malignant tumours of the ENT (i) Being tumours—Temporarily Unfit.
(ii) Malignant tumours—Unfit.

(9) Otosclerosis If the hearing is within 30 Decibles after operation or with the help of hearing aid—Fit.

(10) Congenital defects of ear (i) If not interfering with functions—Fit.
(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(11) Nasal Poly Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin-disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs; which may not be apparent by ordinary physical examination.

"It is also stated that while conducting medical examination of the candidates called for the interviews, the candidates who have already undergone X-ray Examination in a Government Hospital or a hospital authorized for such tests in the preceding twelve months as on the date of medical examination shall be exempted from X-ray test.

This will also be subject to the conditions that the X-ray Examination performed earlier fully serves the purpose and the identity of the individual is established beyond doubt i.e. it is certified that the X-ray report produced by the candidate is the report of X-ray Examination performed on the candidate himself/herself.

The onus of providing that the candidate underwent X-ray examination in the preceding 12 months and was declared fit on this account as per guidelines given above is on the candidate himself/herself.

The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final."

12. In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist, Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

13. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible to the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Ministry of Planning (Department of Statistics) as the case may be on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a Physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all

of whom should as far as practicable be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidate appointed to the Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In case of candidates who are to be declared "Temporarily unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporary until for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidates statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full
(in block letters)
2. State your age and birth
place.....
3. (a) Do you belong to races
such as Gorkhas, Garh-
wali, Assamese,
Nagaland Tribes etc.
whose average height
is distinctly lower?
Answer 'Yes' or 'No'
and if the answer is
'yes' state the name
of the race.
- (b) Have you ever had
small-pox, intermittent
or any other fever en-
largement or suppur-
ation of glands, spit-
ting of blood, asthma,
heart disease,
lung diseases faintings
attacks, rheumatism
appendicitis.
- or
- Any other disease or
accident requiring con-
finement to bed and
medical or surgical
treatment?
4. Have you suffered from
any form of nervousness
due to overwork or any
other cause?

5. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at death and cause of death
1			
2			
3			

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sister dead, their ages of death and cause of death
1			
2			
3			

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

7. If answer to above is 'yes' please state what Service/ Services, you were examined for ?

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?

10. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if, known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board.

Note:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical Examination

1. General development.....Good.....fair.....
Poor.....

Nutrition : Thin.....Average.....Obese ..
Height (without shoes)weight.....
Best Weight.....When ?any recent
change in weight ?Temperature.....
Girth of Chest:

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus examination

Acuity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis
Distant Vision	R.E. L.E.			
Near Vision	R.E. L.F.			

4. Ears: Inspection....Hearing: Right Ear
Left Ear.....

5. Glands.....Thyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory system: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory System

(a) Heart : Any organic lesions ?Rate
Standing

After hopping 25 times

2minutes after hopping

(b) Blood Pressure : SystolicDiastolic

9. Abdomen : GirthTenderness

Hernia

(a) Palpable : Liver Spleen
Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of varicocele, etc.

Urine Analysis:

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest ..

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?..

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Note: In case of female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

Chairman

15. (i) Has he been found qualified in all respect for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Statistical Service?

Place

Date

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE?

Member

Member

Note: The Board should record their findings under one of the following three categories:

K. S. P. RAO